नरम दिली का बयान (किताबुल रिकाक बुखारी शरीफ) /1

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे बुखारी शरीफ हिन्दी.

नोटः- 'हदीष की रिवायत का खुलासा है'.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

टॉपिक्स

***सेहत और फरागत**

***दुन्या में इस तरह रहो**

***खालिस अल्लाह की रज़ा के लिये किया जाये**

***नेक लोगो का दुनीया से उठ जाना**

***माल के फितने से डरना**

***खैरात करे**

***फितनो से निजात**

सेहत और फरागत

*रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया सेहत और फरागत दो ऐसी नेमते है जिन्की लोग कद्र नहीं करते.

वजाहत- जो लोग तन्दुरूस्ती और फरागत को सिर्फ दुन्यावी फायदे के हासिल करने में खर्च करते है वे नुकसान उठाते है, बल्की सेहत और फरागत में आखिरत के लिये जियादा से जियादा काम करने चाहिये.

दुन्या में इस तरह रहो

*रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन उम्र रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने मेरे दोनो कन्धो को पकडकर फरमाया दुन्या में इस तरह रहो जिस तरह कोई मुसाफिर रहता है. हज़रत अब्दुल्लाह बिन उम्र (रदी) फरमाया करते थे की जब शाम हो तो सुबह का इन्तेजार ना करो और जब सुबह हो तो शाम के मुन्तजीर ना रहो, बल्की तन्दुरूस्ती में बीमारी का सामान करलो और ज़िन्दगी में अपनी मौत का सामान करलो.

वजाहत- जिस तरह कोई मुसाफिर परदेस को अपना असली वतन नहीं समझता इसी तरह मोमिन को चाहिये की वह दुन्या को अपना असली वतन ना समझे.

एक हदीस में है की रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया दुन्या में खुद को कबर वालो में से शुमार करो. (फत्हुल बारी)

खालिस अल्लाह की रज़ा के लिये किया जाये

*रावी हज़रत इतबान बिन मालिक रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कयामत के दिन जो आदमी इस हालत में हाजिर हो की दुन्या में उसने खालिस अल्लाह की रज़ा के लिये “ला इला-ह इल्लल्लाहु” कहा हो तो अल्लाह तआला उसपर जहन्नम को हराम कर देंगे.

*रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया अल्लाह तआला इरशाद फरमाते है की जिस मोमिन बंदे की महबूब चीझ हम दुन्या से उठाले और वह उसपर सबर करे तो उस्की ज़जा हमारे यहा सिवाय जन्नत के और कूछ नहीं है.
वजाहत- यानी उस्का बेटा, भाई या और कोई चीझ जिस्से वह मुहब्बत करता है, अगर वह सबर का प्रदर्शन करे और शिकायत का हुर्फ जुबान पर ना-लाये तो उसे अल्लाह तआला के फजलो करम से जन्नत में ठिकाना मिलेगा. (फत्हुल बारी)

नेक लोगो का दुनीया से उठ जाना

*रावी हज़रत मिरदास असलमी रदी:> रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया कयामत के नजदीक नेक लोग दुन्या से एक के बाद एक उठ लिये जायेगे, बाकी जौ के भूसे और खजूर के कचरे की तरह कुछ लोग रह जायेगे जिन्की अल्लाह तआला को ज़र्रा भर परवाह ना होगी.

वजाहत- नेक लोगो का दुन्या से रूखसत होना कयामत की एक निशानी है. (फत्हुल बारी)

माल के फितने से डरना

*रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी:> रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया अगर आदम के बेटे (यानी इन्सान) को दो वादिया माल से भरी मिल जाये तो ये तीसरी वादी (जंगल) की तलाश में परेशान होगा, और आदम के बेटे का पेट तो मिट्टी ही भरेगी, लेकिन जो अल्लाह तआला की तरफ झुकता है अल्लाह तआला भी उसपर मेहरबान हो जाता है.

वजाहत- एक हदीस में है की हर उम्मत को एक फितना पेश आता था और मेरी उम्मत के लिये खतरनाक फितना माल व दौलत की जियादती व अधिकता है. (फत्हुल बारी)

खैरात करे

*रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन मसउद रदी:> रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया तुम्मे से कौन ऐसा है जिस्को अपने वारिस का माल खुद अपने माल से जियादा प्यारा हो? सब ने अर्ज़ किया या रसूलुल्लाह! हम सब को अपना ही माल प्यारा है. फरमाया अपना माल तो वह है जो अल्लाह के रास्ते में खर्च करके आगे भेज दिया, जो छोडकर

मरे वह तो वारिसो का माल है.

फितनो से निजात

*रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी:> रसूलुल्लाहﷺ यु दुआ किया करते थे तरजुमा- ऐ अल्लाह! मुहम्मद की आल को जरूरत के मुताबिक रिज़्क अता फरमा.

वजाहत- आप अगर पेट भरकर खजूर खाते तो जौ की रोटी मयस्सर ना आती थी, ज़िन्दगी गुजारने के इस तरीके से अमीरी की आफत और फक्र व फाके के फितने दोनो से निजात मिल गई थी. (फत्हुल बारी)